Tara
ज्योतिर्मय जीवन

मूल्य - 5 रुपये

'तारा संस्थान' द्वारा आयोजित मोतियाबिन्द जाँच शिविर में नेत्र चिकित्सक द्वारा नेत्र रोगी की जाँच...

आशीर्वाद -
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

मुख्य संरक्षक तारा संस्थान -
श्री एन.पी. भार्गव
उद्योगपति एवं समाज सेवी, दिल्ली

तारांशु

मासिक
सितम्बर, 2012
वर्ष 1, अंक 2, पृ.सं. 20 संपादक :- कल्पना गोयल

आशीर्वाद परम पूज्य डॉ. कैलाश 'मानव' पद्मश्री
मैनेजिंग ट्रस्टी एवं संस्थापक, नारायण सेवा संस्थान

तारा संस्थान, उदयपुर

द्वारा संचालित

तारा नेत्रालय का

दिल्ली में शुभारंभ

उद्घाटन एवं स्वागत समारोह

सादर आमन्त्रण

मान्यवर,

नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर के संस्थापक एवं मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. कैलाश 'मानव' के आशीर्वाद से स्थापित 'तारा संस्थान' द्वारा उदयपुर में संचालित 'तारा नेत्रालय' के सफल परिणामों से सन्तुष्ट एवं हितैषियों तथा दानीभामाशाहों की प्रेरणाओं से उत्साहित होकर 'तारा संस्थान' अपने द्वितीय 'तारा नेत्रालय' का दिल्ली में शुभारंभ कर रहा है। इस उपलक्ष्य में आयोजित किये जा रहे उद्घाटन एवं स्वागत - स्नेह मिलन समारोह में हम आपको सविनय आमन्त्रित कर रहे हैं। कृपया हमारे निवेदन को स्वीकार कर परिजनों तथा इष्टमित्रों सहित समारोह में पधारने एवं हमारा उत्साह वर्धन करने की कृपा करावें।

दिनांक - बुधवार, 24 अक्टूबर, 2012, समय - प्रातः 11.00 बजे

- समारोह स्थल -

तारा नेत्रालय, WZ-270, गाँव - नवादा, 720-मैट्रो पिलर के सामने, उत्तम नगर, दिल्ली - 59

शुभ आशीर्वाद	:-	परम पूज्य डॉ. कैलाश मानव एवं सहधर्मिणी श्रीमती कमला देवी अग्रवाल
मुख्य अतिथि एवं उद्घाटनकर्त्ता	:-	श्री एन. पी. भार्गव सा. - श्रीमती पुष्पा भार्गव, उद्योगपति एवं समाज सेवी, दिल्ली
अध्यक्ष एवं उद्घाटनकर्त्ता	:-	श्री रमेश सचदेवा - श्रीमती क्षमा सचदेवा, उद्योगपति एवं समाज सेवी, दिल्ली

-: निवेदक :-

कल्पना गोयल　　दीपेश मित्तल

एवं सम्पूर्ण 'तारा संस्थान' परिवार....

तारांशु - वर्ष 1, अंक - 2, सितम्बर, 2012

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
सादर आमन्त्रण	02
अनुक्रमणिक	03
तारा नेत्रालय, दिल्ली में...	04-05
तृप्ति योजना	06
आनन्द वृद्धाश्रम	07-08
गौरी सेवा	09
मोतियाबिन्द चिकित्सा	10-12
शिविर सौजन्य	13
डॉ. कैलाश 'मानव' सत्संग	14
अस्मिता	15
आपके पत्र	16
Grateful to the Donors	17-18
Events	19

मेरा आशीर्वाद...

एक ही लक्ष्य, पीड़ित - मानवता की सेवा।

'नारायण सेवा संस्थान' और 'तारा संस्थान' दोनों का लक्ष्य एक ही है - पीड़ित मानवता की सेवा। मेरी सुपुत्री श्रीमती कल्पना गोयल ने 'तारा संस्थान' की स्थापना करके बहुत अच्छा काम किया है। तारा संस्थान में मोतियाबिन्द के ऑपरेशन, विधवाओं को नकद आर्थिक सहायता, गरीब बुजुर्गों को भोजन - सामग्री और असहाय बुजुर्गों के लिए आनन्द वृद्धाश्रम, सभी सेवाएँ पूरी तरह नि:शुल्क। 'तारा संस्थान' को मेरा आशीर्वाद। मैं सभी दानदाताओं से निवेदन करता हूँ कि वे 'तारा संस्थान' के सेवा-कार्यों में उदारता से दान-सहयोग करें जिससे अधिकाधिक असहाय पीड़ित बन्धुओं को सेवा का लाभ मिल सके।

डॉ. कैलाश 'मानव'
(पद्मश्री अलंकृत)
मैनेजिंग ट्रस्टी एवं संस्थापक, नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

तारांशु मासिक, सितम्बर, 2012
'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर, राजस्थान से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री विजय अरोड़ा द्वारा न्यूट्रेक ऑफसेट मुद्रणालय, 13, न्यूट्रेक नगर, सेक्टर - 3, हिरण मगरी, उदयपुर में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

तारा नेत्रालय, दिल्ली में...

अपने बचपन से ही अपने पिताजी डॉ. कैलाश 'मानव' जी को मैंने सेवा कार्यों में जुनून के साथ काम करते हुए पाया, घर में हर समय हॉस्पीटल हेतु मरीजों का खाना बनाना... सर्दियों में अपने लिए भले ही बिस्तर कम हो, लेकिन कोई भी जरूरतमंद आए तो उसकी व्यवस्था करना... पोषाहार कैम्प हेतु सत्तू बनाना... और अपनी साइकिल पर एक खाली डिब्बा रखकर... सभी के घरों से एक एक मुट्ठी आटा इकट्ठा करना... फिर सुबह जल्दी उठकर उनकी रोटी बनाना... मेरा बचपन यही सब देखते मम्मी पापा के काम में हाथ बटाते हुए निकला.....

नारायण सेवा में पोलियो विकलांगता के साथ ही अन्य तरीके की तकलीफों से भी सामना होता रहा था... उन्हीं में से एक संस्थान में कार्यरत जमनाबा ने जब उनके मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए मुझसे मदद माँगी... और समय पर अगर ऑपरेशन नहीं हुआ तो अंधत्व का खतरा है, यह बताया... तो उनके ऑपरेशन के पश्चात् इस दिशा में कार्य करने के बारे में सोचा... और ''तारा'' का जन्म हुआ..... वो ''तारा'' जिसमें मोतियाबिन्द के पूर्णतया नि:शुल्क अत्याधुनिक मशीनों से ऑपरेशन शुरू किए गए... और लगभग असंभव सा लगने वाला ये ख्वाब आपके साथ ने पूरा कर दिया.....

'तारा नेत्रालय' उदयपुर व अन्य कैम्पों के माध्यम से अब तक 3000 सफल ऑपरेशन हो चुके हैं... बुजुर्गों के लिए ऑपरेशन करते करते ही लगा कि वृद्धावस्था एक ऐसी अवस्था है जिसमें ऑपरेशन के अलावा उन्हें सबसे ज्यादा जरूरत है, 'अपनेपन' की... जिसकी कमी से जुझते हुए कई-कई बुजुर्गों को पाया... और मेरी आँखें हमेशा नम होती रहीं उनकी इस व्यथा को महसूस करके... आज जब आनन्द वृद्धाश्रम में हँसते खिलखिलाते चेहरों को देखती हूँ तो आँखें फिर नम हो जाती हैं, पर इस बार खुशी में.....

आपकी मदद यूँ ही मिलती रहेंगी इसी यकीन के साथ दिल्ली में भी एक पूर्णत: नि:शुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन हेतु... तारा नेत्रालय की शुरूआत कर रहे हैं... ताकि दिल्ली, एन.सी.आर., हरियाणा, पंजाब के गरीब बुजुर्गों का बिना खर्च ऑपरेशन हो सके... हमेशा अपने बड़ों से सुना है कि भले कामों के लिए ईश्वर किसी-न-किसी को माध्यम बनाता है, तो खुशकिस्मत हैं आप और हम सब कि उसने आप को और हमें चुना... और उनके इस चयन को हम सब... पूरी शिद्धत से निभाएँगे... इसी विश्वास के साथ... आदर सहित.....

कल्पना गोयल
संस्थापक एवम् अध्यक्ष

तारा नेत्रालय, दिल्ली

नेत्र रोगों से पीड़ित बन्धुओं हेतु.... दिल्ली स्थित.... तारा नेत्रालय में निम्न सुविधायें नि:शुल्क उपलब्ध रहेंगी।

- ❖ सभी प्रकार के नेत्र रोगों की जाँच एवं परामर्श।
- ❖ मोतियाबिन्द की जाँच एवं ऑपरेशन तथा लेन्स प्रत्यारोपण।
- ❖ ऑपरेशन किये गये रोगियों को काले चश्मे एवं दवाइयाँ।
- ❖ चश्मे के नम्बर की कम्प्यूटर द्वारा जाँच।
- ❖ ऑपरेशन के लिये चयनित रोगी एवं उनके परिचारक के लिये भोजन एवं ठहरने की सुविधा।

मोतियाबिन्द ऑपरेशन हेतु आमन्त्रित सहयोग – सौजन्य प्रति ऑपरेशन रु. 3000 की राशि

01 ऑपरेशन 3000, 03 ऑपरेशन 9000, 05 ऑपरेशन 15000, 11 ऑपरेशन 33000

मोतियाबिन्द जाँच – चिकित्सा – दवा वितरण, शिविर सौजन्य राशि

प्रति शिविर – नई व पुरानी दिल्ली क्षेत्र में – 31000 रु., एनसीआर क्षेत्र में – 51000 रु.

शिविर में चयनित रोगियों के तारा नेत्रालय में लाकर नि:शुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाएँ जाएँगे। शिविर में आँखों की जाँच व दवा वितरण भी नि:शुल्क होगा।

कृपया अपने प्रियजनों के जन्म दिवस, पुण्य स्मृति या किसी भी विशेष अवसर पर एक शिविर अवश्य प्रायोजित करें

खाद्य - सामग्री सहायता से लाभान्वित बुजुर्ग

'तृप्ति योजना' में ऐसे असहाय वृद्ध महिला पुरुषों को खाद्य-सामग्री प्रतिमाह उनके घर तक पहुँचाई जा रही हैं, जो गरीबी और बुढ़ापे के कारण अपना दो - समय का भरपेट भोजन भी नहीं जुटा पा रहे हैं। दान-दाताओं के सौजन्य से 'तारा संस्थान' इन बुजुर्गों को भूख की पीड़ा से राहत देने का सेवा - कार्य कर रहा है।

उदयपुर जिले के आदिवासी अंचल में स्थित खेरवाड़ा तहसील के नयागाँव ब्लाक अन्तर्गत मोड़ीवासा गाँव निवासी मगरी मीणा की आयु 75 वर्ष से अधिक है। इनके पति श्री अमरा मीणा का निधन लगभग 17-18 वर्ष पूर्व हो गया। पति के निधन के पश्चात् जैसे-तैसे मजदूरी करके मगरी अपना पेट पालती रही, पर बुढ़ापे और कमजोरी के कारण मजदूरी करने में अक्षम हो गई। सहारे के लिए अपने भाई के पास आकर रहने लगी हैं। भाई विकलांग हैं, और भाभी मूक-बधिर। इनकी आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं। मगरी को मोतियाबिन्द के कारण अब दिखाई देना भी कम होता जा रहा है, और ऑपरेशन भी संभव नहीं। मगरी की इस दयनीय स्थिति की जानकारी मिलने पर 'तारा' द्वारा इन्हें 'तृप्ति योजना' के अन्तर्गत प्रतिमाह खाद्य-सामग्री और 300 रु. नकद सहायता देना प्रारंभ किया गया। इससे मगरी को भूख की पीड़ा से राहत मिली है।

'तृप्ति योजना' के अन्तर्गत प्रत्येक बुजुर्ग को निम्नानुसार मात्रा में 1500/- मूल्य की खाद्य-सामग्री सहायता प्रतिमाह वितरित की जा रही है।

आटा - 10 कि.ग्रा., चावल - 2 कि.ग्रा., दालें - 1.5 कि.ग्रा., खाद्य तेल - 1 कि.ग्रा., शक्कर - 1.5 कि.ग्रा., मसाले (धनिया, मिर्च, हल्दी) - 500 ग्रा., नमक - 1 कि.ग्रा., साबून - 2, नकद राशि - रु. 300 (शाक - सब्जी के लिए)
खाद्य - सहायता व्यय - रु.1500 प्रति व्यक्ति, प्रतिमाह

वर्तमान में तृप्ति योजना के अन्तर्गत 250 बुजुर्ग बन्धुओं को प्रतिमाह उपर्युक्त मात्रानुसार खाद्य सामग्री पहुँचाई जा रही हैं। आपके सहयोग सौजन्य से यह संख्या 500 करने का लक्ष्य है।

आपसे प्रार्थित खाद्य-सामग्री सहयोग-सौजन्य राशि
रु. 4500 (3 माह), रु. 9000 (6 माह), रु. 18000 (एक वर्ष)

बुजुर्ग बन्धुओं के लिए निःशुल्क आनन्द वृद्धाश्रम

पीड़ित मानवता के हृदय-स्पर्शी दृश्य हमें कहीं भी, यत्र-तत्र-सर्वत्र देखने को मिल जाते हैं। गरीबी, बीमारी, वृद्धावस्था, संतानहीनता, एकाकीपन, परिजनों द्वारा दुर्व्यवहार, परित्याग आदि कई ऐसे कारण हैं, जिनसे व्यक्ति पीड़ा और दुःख-दर्द का मूर्तिमान जीवन्त रूप बन जाता है। आपने विपन्नावस्था में जकड़े हुए ऐसे कई चेहरे देखे होंगे, जिन्हें देखकर आपकी संवेदनशीलता विषाद में डूबी होगी, और जिनके लिए कुछ सार्थक सहायता-सेवा करने की प्रबल भावना आपके मन में जागृत हुई होगी। 'तारा संस्थान' ने ऐसे ही संवेदनशील, करुण हृदय महानुभावों की भावनाओं को क्रियात्मक रूप देने के लिए 'आनन्द वृद्धाश्रम' का संचालन प्रारंभ किया है। 'आनन्द वृद्धाश्रम' में अभावग्रस्त, अशक्त, बेसहारा, एकाकी वृद्ध बन्धुओं के भोजन-वस्त्र-चिकित्सा देखभाल - आवास की सर्वथा निःशुल्क सेवा-सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

आधारभूत संरचना, प्रदत्त सुविधाएँ, उपलब्ध व्यवस्थाएँ -

● 3 बड़े, खुले, हवादार कक्ष, 25 पलंग, सामान रखने के लिए अलमारियाँ। ● साफ-सुथरे गद्दे, चद्दर, तकिये, कम्बल, धुलाई-सफाई की व्यवस्था। ● एक बड़ा भोजन कक्ष, एक साथ भोजन-नाश्ते के लिए। ● एक बड़ा बैठक कक्ष-टी.वी. सोफे, कुर्सी सहित। ● पुस्तकालय/वाचनालय - पुस्तकें, समाचार - पत्र, पत्रिकाएँ आदि की व्यवस्था। ● चिकित्सक उपलब्ध, प्रति सप्ताह शारीरिक जाँच, स्वास्थ्य परीक्षण हेतु। ● प्रातः चाय/दूध, नाश्ता, मध्याह्न-रात्रि भोजन में एक सब्जी, दाल, चावल, चपाती, दही, सायं - चाय, बिस्किट या कोई हल्का खाद्य, मौसमी फल आदि। ● आनन्द वृद्धाश्रम भवन, प्रकाश युक्त, हवादार, खुले परिसर में होने से घूमने-फिरने, उठने-बैठने, विश्राम करने की दृष्टि से सर्वथा अनुकूल।

^vkuUn o`)kJe` ,d iz;kl gS & o`)tuksa dks 'kkjhfjd ,oa ekufld lq[k&larqf"V nsdj
muds thou esa [kqf'k;ksa ds iy c<+kus dk] vkSj rdyhQksa ds vglkl dks de djus dkA

पात्रता

'आनन्द वृद्धाश्रम' उन बुजुर्ग बन्धुओं के लिए है, जो निर्धन, निराश्रय, एकाकी एवं कोई काम-श्रम करने में अशक्त हैं, या जो गरीबी के कारण परिवार द्वारा तिरस्कृत, अपमानित, परित्यक्त जीवन जी रहे हैं, और जिनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है। उपर्युक्त व्यवस्थाओं और सुविधाओं सहित प्रत्येक वृद्धजन के 'आनन्द वृद्धाश्रम' में निःशुल्क आवास पर तारा संस्थान 5000रु. मासिक व्यय कर रहा है।

सहयोग - सौजन्य आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रति बुजुर्ग)

01 माह - 5000 रु. 03 माह - 15000 रु. 06 माह - 30000 रु. 01 वर्ष - 60000 रु.

आनन्द वृद्धाश्रम के आवासी

आप भी यदि किसी असहाय बुजुर्ग बन्धु के लिए 'आनन्द वृद्धाश्रम' में आवास की मानवीय सुविधा उपलब्ध करवाने की सेवा भावना रखते हैं, तो कृपया प्रति बुजुर्ग 5000 रु. प्रतिमाह की दर से अपना दान सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने की कृपा करें।

01 माह – 5000 रु., 03 माह – 15000 रु., 06 माह – 30000 रु., 01 वर्ष – 60000 रु.

गौरी सेवा

असहाय विधवा महिलाओं को 1000 रु. मासिक नकद सहायता

निर्धन और असहाय विधवा महिलाओं को आंशिक रूप से आर्थिक स्वावलम्बन मिल सके, इस उद्देश्य से गौरी योजना संचालित की जा रही है। 'तारा संस्थान' द्वारा गौरी योजना' में चयनित विधवा महिलाओं को सहायता के रूप में प्रतिमाह 1000 रु. उनके बैंक खातों में सीधे-जमा करवाए जा रहे हैं, ताकि विकट परिस्थितियों का सामना करने के लिए कुछ पैसा उनके साथ में रहे। यह सहयोग राशि दानदाताओं द्वारा विधवा महिलाओं की सहायतार्थ 'तारा' को उपलब्ध - करवाई जा रही हैं।

नाम	:	श्रीमती मनभावनी बाई
आयु	:	58
पति का नाम	:	रोहतारव हरिजन
पता	:	मकान नं. 23, गाँव - जोनायचा कला, तहसील - बहरोड, जिला - अलवर (राज.)

श्रीमती मनभावनी बाई की स्थिति अत्यन्त वेदना भरी है। पति का निधन कई वर्षों पूर्व हो गया। एक पुत्र था, उसकी भी सर्पदंश से अकाल मृत्यु हो गई। उसकी पत्नी अलग रहती है। उसका पुत्र मनभावनी बाई का पोता का कोई सहारा या आय का स्रोत भी नहीं। मनभावनी बाई कष्ट भरे जीवन में आपने पोते का भरण-पोषण कर रही हैं। 'तारा' ने इन्हें गौरी योजना के अन्तर्गत मासिक नकद राशि (1000) सहायता देना प्रारंभ किया है। इस सहायता से इन्हें तकलीफों से कुछ राहत मिली है।

मानवीय संवेदनाओं को आहत करने वाली असहाय विधवा महिलाओं की पीड़ाओं को कुछ कम करने के प्रयास के प्रति यदि आप भी इच्छुक हों तो, कृपया प्रति विधवा महिला 1000 रु. प्रतिमाह की दर से - 01 माह, 03 माह, 06 माह, 01 वर्ष या इससे भी अधिक अवधि के लिए अपना दान-सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने का अनुग्रह करें।

मोतियाबिन्द जाँच शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यत: पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द-ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा नि:शुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। नि:शुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

शिविर विवरण

'तारा संस्थान' द्वारा माह जुलाई - अगस्त, 2012 की अवधि में आयोजित मोतियाबिन्द जाँच, चयन शिविर व ऑपरेशन का संक्षिप्त विवरण - पंजीकरण व जाँच दृश्य

चंगेड़ी शिविर

दिनांक : 22 जुलाई, 2012 (रविवार) स्थान : ग्राम पंचायत भवन, रावला चौक, चंगेड़ी, मावली, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : मैसर्स निलेश मेटल कम्पनी (श्री राजकुमार जी चाण्डक), मुम्बई
कुल ओ.पी.डी. - 173, ऑपरेशन के लिए चयनित - 17
ऑपरेशन स्थल - तारा नेत्रालय, उदयपुर

कानोड़ शिविर

दिनांक : 29 जुलाई, 2012 (रविवार) स्थान : सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कानोड़, वल्लभनगर, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्री हुकम सिंह सौंलकी एवं समस्त सौलंकी परिवार, निवासी - बदरपुर, दिल्ली
कुल ओ.पी.डी. - 311, ऑपरेशन के लिए चयनित - 38
ऑपरेशन स्थल - तारा नेत्रालय, उदयपुर

जयसमन्द शिविर

दिनांक : 03 अगस्त, 2012 (रविवार) स्थान : जन जागरण विकास समिति, जयसमन्द, सराड़ा, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : स्व. श्री जयप्रकाश जी व्यास की पावन स्मृति में धर्मपत्नी श्रीमती स्मिता बेन व्यास, निवासी - नानपुरा, सूरत (गुज.)
कुल ओ.पी.डी. - 63, ऑपरेशन के लिए चयनित - 12
ऑपरेशन स्थल - तारा नेत्रालय, उदयपुर

खड़ौदा शिविर

दिनांक : 12 अगस्त, 2012 (रविवार) स्थान : राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, खड़ौदा, बरोड़िया, वल्लभनगर, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्री कमलकांत जी शर्मा (शर्मा ज्वेलर्स), निवासी - इन्दौर (मध्य प्रदेश)
कुल ओ.पी.डी. - 115, ऑपरेशन के लिए चयनित - 16, ऑपरेशन स्थल - तारा नेत्रालय, उदयपुर

ढुँढ़िया शिविर

दिनांक : 18 अगस्त, 2012 (शनिवार) स्थान : राजकीय माध्यमिक विद्यालय, ढुँढ़िया, मावली, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्रीमती सरोज कुमारी अग्रवाल एवं समस्त अग्रवाल परिवार, निवासी - चैन्नई (तमिलनाडू)
कुल ओ.पी.डी. - 180, ऑपरेशन के लिए चयनित - 24
ऑपरेशन स्थल - तारा नेत्रालय, उदयपुर

सनवाड़ शिविर

दिनांक : 19 अगस्त, 2012 (रविवार) स्थान : सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सनवाड़, मावली, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्रीमती कलावती डी. गाँधी, निवासी - मुम्बई (महाराष्ट्र)
कुल ओ.पी.डी. - 160, ऑपरेशन के लिए चयनित - 17
ऑपरेशन स्थल - तारा नेत्रालय, उदयपुर

मिथोड़ी शिविर

दिनांक : 25 अगस्त, 2012 (शनिवार) स्थान : ग्राम पंचायत भवन, मिथोड़ी, सलुम्बर, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : आओ अमारी साथे सत्संग मण्डल (सायन), जयाबेन चन्टु लाल मेहता (मुम्बई) एवं दलीचन्द्र भाई, भगवान भाई दामाणी (मुम्बई)
कुल ओ.पी.डी. - 160, ऑपरेशन के लिए चयनित - 22, ऑपरेशन स्थल - तारा नेत्रालय, उदयपुर

पटोलिया शिविर

दिनांक : 29 अगस्त, 2012 (बुधवार) स्थान : ग्राम पंचायत भवन, राजकीय माध्यमिक विद्यालय के पास, पटोलिया, कपासन, चित्तौड़गढ़ (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : स्व. श्री कल्पेश कुमार पटेल की पुण्य स्मृति में माता - श्रीमती ज्योत्सना बेन, पिता - श्री दशरथ भाई पटेल, बहन - श्रीमती वर्षा बेन, बहनोई - श्री मयूर कुमार, निवासी - अहमदाबाद (गुजरात) कुल ओ.पी.डी. - 169, ऑपरेशन के लिए चयनित - 27
ऑपरेशन स्थल - तारा नेत्रालय, उदयपुर

मेनार शिविर

दिनांक : 30 अगस्त, 2012 (गुरुवार) स्थान : मगनमल जेठानन्द पंचोलिया, राजकीय सार्वजनिक चिकित्सालय, मेनार, वल्लभनगर, उदयपुर (राज.) सौजन्यकर्त्ता : स्व. श्रीमती सुशीला देवी तुलस्यान की पुण्य स्मृति में नागलिया परिवार, निवासी - सूरत (गुजरात)
कुल ओ.पी.डी. - 218, ऑपरेशन के लिए चयनित - 20 ऑपरेशन स्थल - तारा नेत्रालय, उदयपुर

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस' चैनल पर प्रसारण
अपराह्न 3.40 से 4.00 बजे,
रात्रि 9.20 से 9.40 बजे

'श्रद्धा' चैनल पर प्रसारण
रात्रि 10.20 से 10.40 बजे

'आस्था भजन' चैनल पर प्रसारण
प्रात: 8.40 से 9.00 बजे

मोतियाबिन्द जाँच ऑपरेशन शिविर के दृश्य

नेत्र परीक्षण, मोतियाबिन्द जाँच, ऑपरेशन हेतु चयन शिविर हेतु सहायता राशि

दानदाता द्वारा प्रायोजित स्थान पर शिविर आयोजन, शिविर के लिए प्रचार-प्रसार कार्य, शिविर में उपस्थित रोगियों का नि:शुल्क नेत्र परीक्षण, मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए चयन, शिविर में रोगियों को मध्याह्न भोजन। दान-दाता के नाम का शिविर विवरण सहित 'तारांशु' में उल्लेख, विवरण, फोटो दानदाता को प्रेषित किये जाएँगे।

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन
सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान में) - 71,000 रु.

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन
सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान से बाहर) - 1,00,000 रु.

मोतियाबिन्द जाँच शिविरों में चश्मा जाँच, चश्मा वितरण, दवाइयाँ आदि हेतु

शिविर सहायता -सामग्री सौजन्य राशि प्रति शिविर - 21,000 रु.

एक शिविर अवश्य करावें .....

आओ अमारे साथे सत्संग मण्डल, सायन (मुम्बई) के सौजन्य से -

सायना (मुम्बई) स्थित जैन महिलाओं के संगठन 'आओ अमारे साथे सत्संग मण्डल' के लगभग 15 सदस्यों ने 25 अगस्त को तारा संस्थान का अवलोकन किया। सत्संग मण्डल ने गाँव मिथोड़ी (सलुम्बर) में अपने सौजन्य से निर्धन बन्धुओं की सेवा-सहायतार्थ एक 'मोतियाबिन्द जाँच शिविर का आयोजन करवाया। शिविर में चयनित सभी 24 नेत्र रोगियों के 'तारा नेत्रालय' उदयपुर में नि:शुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन सम्पन्न करवाए गए। सत्संग मण्डल के सदस्यों ने निर्धन आदिवासी बन्धुओं को वस्त्र एवं खाद्य-सामग्री भी वितरित की। इससे पूर्व 'तारा' में पहुँचने पर संस्थान की संस्थापक एवम् अध्यक्ष श्रीमती कल्पना गोयल ने सभी अतिथि-सदस्यों का भावभरा स्वागत किया।

अतिथियों ने तारा संस्थान के सेवा - प्रकल्पों की सराहना की और कहा कि 'तारा' की मानवीय सेवा-क्षेत्र में यह अनुकरणीय पहल है।

सत्संग मण्डल के सदस्यों ने श्रीमती कल्पना गोयल का अनेक नेतृत्व में किये जा रहे सराहनीय सेवा कार्यों के लिए अभिनन्दन किया और अपनी शुभकामनाएँ व्यक्त की।

'नागलिया परिवार' सूरत के सौजन्य से शिविर आयोजित

दिनांक 30 अगस्त, 2012 को उदयपुर जिले के मेनार गाँव स्थित 'मगनमल जेठानन्द पंचोलिया, राजकीय सार्वजनिक चिकित्सालय में सूरत (गुजरात) के श्री नागलिया परिवार द्वारा 'मोतियाबिन्द जाँच, नेत्र चिकित्सा' शिविर प्रायोजित किया गया। शिविर में 218 रोगियों की जाँच की गई, जिनमें से 20 मोतियाबिन्द रोगियों का ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। शिविर में चयनित सभी रोगियों को 'तारा नेत्रालय' उदयपुर में नि:शुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए। शिविर में रोगियों को नेत्र रोगों के उपचार हेतु दवाइयाँ भी वितरित की गई।

'नारायण सेवा संस्थान' (ट्रस्ट), उदयपुर के संस्थापक एवं मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. कैलाश 'मानव' तारा संस्थान के 'आनन्द वृद्धाश्रम' में आवासियों के साथ सत्संग करते हुए।

बच्चे वही सीखते हैं जो जीते हैं

अगर बच्चा आलोचना के माहौल में रहता है तो वह निन्दा करना सीखता है।
अगर बच्चा प्रशंसा के माहौल में रहता है तो तारीफ़ करना सीखता है।
अगर बच्चा लड़ने के माहौल में रहता है तो झगड़ना सीखता है।
अगर बच्चा सहनशीलता के माहौल में रहता है तो धैर्य सीखता है।

अगर बच्चा बेहूदे और खिल्ली उड़ाने वाले माहौल में रहता है तो वह संकोच करना सीखता है।
अगर बच्चा प्रोत्साहन वाले माहौल में रहता है तो आत्मविश्वास सीखता है।
अगर बच्चा शर्मिंदगी के माहौल में रहता है तो वह ख़ुद को दोषी मानना सीखता है।
अगर बच्चा समर्थन करने वाले माहौल में रहता है तो वह ख़ुद को पसंद करना सीखता है।

अगर बच्चा न्यायसंगत माहौल में रहता है तो इंसाफ़ करना सीखता है।
अगर बच्चा सुरक्षा के माहौल में रहता है तो वह भरोसा करना सीखता है।
अगर बच्चा सहमति और दोस्ती के माहौल में रहता है तो वह दुनिया में प्यार ढूँढ़ लेना सीखता है।

अस्मिता -

श्रीमद्भगवद्गीता के आलोक में...

मनुष्य की अस्मिता की पहचान और परिचय उसके धर्म, दर्शन, अध्यात्म, साहित्य, संस्कृति, सामाजिक - व्यवहार तथा मान्यताओं से होती है। भारतीय समाज और संस्कृति में भाषा, वेशभूषा खान-पान, पूजा-पद्धति में आस्था की दृष्टि से आश्चर्यजनक विविधता है। यहाँ अनेक धर्मों का प्रादुर्भाव हुआ। अन्यत्र प्रादुर्भूत धर्म और संस्कृतियों को भी यहाँ के लोगों ने खूब स्वीकारा है। सामान्य रूप से देखें, तो यह कथन समीचीन प्रतीत होता है कि भारत धर्म-प्राण देश है।

हम अपनी अस्मिता की प्रामाणिक पहचान के लिए यदि स्रोत और सन्दर्भ खोजना चाहें, तो हमें - जहाँ तक सुगभ और संभव हो सके - प्राचीनतम उपलब्ध प्रमाणों और साक्ष्यों की ओर नजर डालना पड़ेगा। भारतीय धर्मों, दार्शनिक विचारों और आध्यत्मिक रहस्यों का आदि स्रोत वेद है। जो धर्म-दर्शन वैदिक अवधारणाओं से पूरी तरह सहमत नहीं हैं, वे भी इस अर्थ में वैदिक स्रोत वाले कहे जा सकते हैं, कि वे समानान्तर, प्रतिषोधात्मक, या असहमत मान्यताओं का प्रतिपादन करते हैं। वैदिक सूक्तों की व्याख्या के परिणाम स्वरूप ही हमें अपनी परम्परा और पूर्वजों की प्रतिभा का परिचय करवाने में सक्षम बाह्मण, उपनिषद्, आरण्यक आदि अद्भुत ज्ञान के स्रोत ग्रन्थ मिले हैं। प्रबुद्ध पाठक अवगत ही हैं, कि इस प्रसंग में प्रयुक्त 'बाह्मण' शब्द किसी भी दृष्टि से जातिवाचक या जाति सूचक नहीं है, अपितु वैदिक सूक्तों की विशिष्ट अर्थपरक व्याख्या वाले ग्रन्थों के संग्रह का नाम है।

इसी क्रम में दार्शनिक, चिन्तनपरक व्याख्या वाले ग्रन्थों का संग्रह 'उपनिषद्' हैं। इनमें, यथार्थ में वह सत्य, अनुभव, ज्ञान निहित है, जो शिष्य द्वारा अपने गुरु के समीप बैठकर प्रश्नोत्तर, सँवाद रूप में या सभा-गोष्ठियों में की गई चर्चाओं के परिणाम स्वरूप प्रकट हुआ है।

वैदिक ज्ञान और मान्यताओं पर आधारित चिन्तन अन्वेषण वाले छह भारतीय दर्शन शास्त्रों - साँख्य (महर्षि कपिल), योग (महर्षि पतंजलि), न्याय (महर्षि गोतम), वैशेषिक (महर्षि कणाद), मीमांसा (महर्षि जैमिनि) और वेदान्त (महर्षि बादरायण व्यास) - का आधार उपनिषद् ही हैं। इन दर्शनशास्त्रों के प्रणेता महर्षियों ने उपनिषदों में संगृहीत ज्ञान के आधार पर जीव, जगत्, पदार्थ, आत्मा, जन्म, मृत्यु आदि दार्शनिक - आध्यात्मिक विषयों पर अपने मन्तव्य और विचारों का प्रतिपादन किया है। इन महर्षियों के विचारों और ज्ञान पर परवर्ती मुनियों, आचार्यों और सन्तों ने ध्यान - साधना व गहन अध्ययन करके टीका, टिप्पणी, व्याख्या, भाष्य आदि पद्धतियों से अनेक ग्रंथों का निर्माण किया, और भारतीय ज्ञान परम्परा को अति समृद्ध किया, जिसकी व्याप्ति विश्व के पूरे प्रबुद्ध वर्ग में हुई।

भारतीय ज्ञान परम्परा की परिणति और पराकष्ठा 'श्रीमद्भगवद्गीता (गीता)' में परिलक्षित होती है। गीता (श्रीमद्भगवद्गीता) में सभी उपनिषदों का सार है। गीता में धर्म-दर्शन-अध्यात्य का व्यावहारिक पक्ष प्रस्तुत किया गया है। मनुष्य को दैनन्दिन जीवन में भोगनी पड़ रही पीड़ाओं, व्यथाओं और बाधाओं का सामना करने और उनसे मुक्ति की युक्ति का उपदेश और शिक्षा भगवान् भी कृष्ण ने अर्जुन को दी है। अर्जुन पूरी मानव जाति और सामान्यजन का प्रतीक रूप प्रतिनिधि है। अपनी 'अस्मिता' को भौतिक, मानसिक, आध्यात्मिक परिप्रेक्ष्य में यथायथ समझने, जीवन के व्यवहार और अनुभवों का सत्य आत्मसात् करने के उपक्रम में प्रस्तुत शृंखला के माध्यम से श्रीमद्भगवद्गीता के आलोक में जीवन के जटिल प्रश्नों और रहस्यों का विनम्र प्रयास किया जा रहा है। (क्रमश : .....)

- डी.आर. श्रीमाली

दो पत्र...

करुणाशील दानदाता...

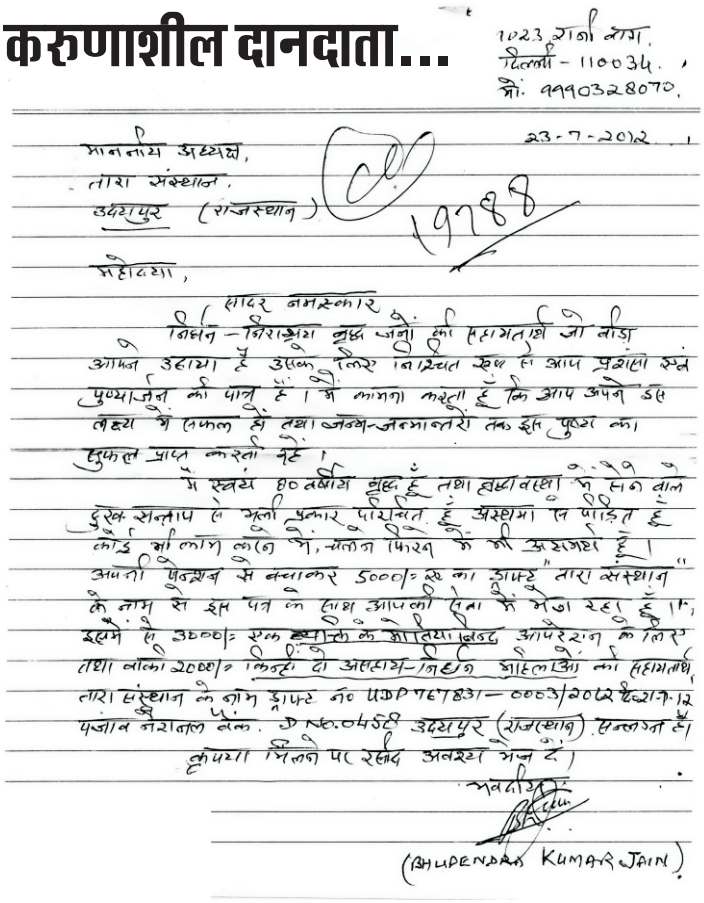

1023 रानी बाग,
दिल्ली - 110034.
मो. 9990328070.

23-7-2012

माननीय अध्यक्ष,
तारा संस्थान,
उदयपुर (राजस्थान)

19788

महोदया,

सादर नमस्कार

निर्धन - निराश्रय वृद्ध जनों की सहायतार्थ जो बीड़ा आपने उठाया है उसके लिए निश्चित रूप से आप प्रशंसा एवं पुण्यार्जन की पात्र हैं। मैं कामना करता हूँ कि आप अपने इस लक्ष्य में सफल हों तथा जन्म-जन्मान्तरों तक इस पुण्य का सुफल प्राप्त करती रहें।

मैं स्वयं 80 वर्षीय वृद्ध हूँ तथा वृद्धावस्था में होने वाले दुःख-सन्ताप से भली प्रकार परिचित हूँ। अस्थमा से पीड़ित हूँ कोई भी काम करने में, चलने फिरने में भी असमर्थ हूँ। अपनी पेन्शन से बचाकर 5000/= रु का ड्राफ्ट "तारा संस्थान" के नाम से इस पत्र के साथ आपको सेवा में भेज रहा हूँ। इसमें से 3000/= एक व्यक्ति के मोतियाबिन्द आपरेशन के लिए तथा बाकी 2000/= किन्हीं दो असहाय-निर्धन महिलाओं की सहायतार्थ, तारा संस्थान के नाम ड्राफ्ट नं० UDP767831-0003/2012 दिनांक 23.7.12 पंजाब नेशनल बैंक. D No.0458 उदयपुर (राजस्थान) संलग्न है। कृपया मिलने पर रसीद अवश्य भेज दें।

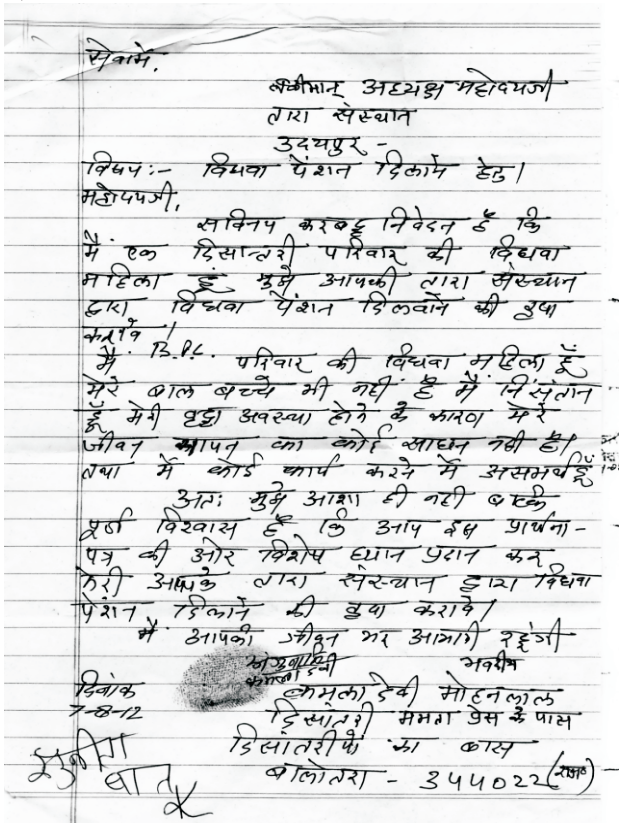

भवदीय

(BHUPENDRA KUMAR JAIN)

इन्हें सहायता दें...

सेवा में,

श्रीमान् अध्यक्ष महोदयजी
तारा संस्थान
उदयपुर -

विषय :- विधवा पेंशन दिलाने हेतु।

महोदयजी,

सविनय करबद्ध निवेदन है कि मैं एक डिसान्तरी परिवार की विधवा महिला हूँ मुझे आपकी तारा संस्थान द्वारा विधवा पेंशन दिलवाने की कृपा करावें।

मैं B.P.L. परिवार की विधवा महिला हूँ मेरे बाल बच्चे भी नहीं है मैं निःसंतान हूँ मेरी वृद्धा अवस्था होने के कारण मेरे जीवन यापन का कोई साधन नहीं है। तथा मैं कोई कार्य करने में असमर्थ हूँ।

अतः मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि आप इस प्रार्थना-पत्र की ओर विशेष ध्यान प्रदान कर मेरी आपके तारा संस्थान द्वारा विधवा पेंशन दिलाने की कृपा करावें।

मैं आपकी जीवन भर आभारी रहूंगी

अंगूठा निशानी
कमला देवी

भवदीय

दिनांक
7-8-12

कमला देवी मोहनलाल
डिसांतरी ममता प्रेस के पास
डिसांतरीयों का बास
बालोतरा - 344022 (राज०)

'तारा' केन्द्र प्रभारी

श्रीमान् एस.एन. शर्मा
मुम्बई (महा.)
मो. : 09869686830

श्रीमान् प्रेम कुमार जी माटा
बांसवाड़ा (राज.)
मो. : 09414101236

श्रीमान् प्रहलाद राय जी सिंघानिया
हैदराबाद (आ.प्र.)
मो. : 09849019051

प्रभा जी झंवर
अमरावती
मो. : 09823066500

श्रीमान् पवन सुरेका जी
मधुबनी (बिहार)
मो. : 09430085130

श्रीमान् विष्णु शरण जी सक्सेना
भोपाल (म.प्र.)
मो. : 09617952303

श्रीमान् नवल किशोर जी गुप्ता
फरीदाबाद (हरियाणा)
मो. : 09873722657

प्रेम स्वरूप बंसल
पंजाब प्रतिनिधि
मो. : 09352717492

श्री कुलभूषण पाराशर
बर्मिंघम (इंग्लैण्ड)
फोन (0044) 121 5320846,
मो. (0044) 7815430077

श्रीमान् एस.एन. अग्रवाल सा.
कोलकाता
मो. : 09339101002

श्रीमान् सेठ मल मोदी सा.
दुमका (झारखण्ड)
मो. : 09308582741

श्रीमान् करण गुप्ता जी
जयपुर (राज.)
मो. : 09784597115

'तारा' सम्पर्क कार्यालय

मुम्बई आश्रम
महेन्द्रा एण्ड महेन्द्रा एम्प्लाइज को. हा. सोसायटी
पार्क व्यू बिल्डींग, बी-26 IInd फ्लोर,
कुलुपवाड़ी, बोरीवली (ईस्ट) मुम्बई 400066
श्री बंशीलाल
मो. 09699257035, 07666680094

गुड़गाँव आश्रम
बी-30, ओल्ड डी.एल.एफ कॉलोनी,
सेक्टर - 14, गुड़गाँव (हरियाणा)
श्री कमलेश जोशी
मो. 08285240611

दिल्ली आश्रम
एस-17, परमपुरी, ग्राउण्ड फ्लोर,
नियर श्री श्वेताम्बर जैन स्थानक,
उत्तम नगर, दिल्ली - 110059
श्री अमित शर्मा
मो. 09999071302, 09971332943

सूरत आश्रम
295, चन्द्रलोक सोसायटी,
पर्वत गाँव,
सूरत (गुज.)
श्री प्रकाश आचार्य,
मो. 09829906319

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Subhash & Mrs. Usha,
Miss. Sandhya, Ayesha, Karnal

Mr. Sikandar Lal & Mrs. Meena Rani
Muradabad

Mr. Satyaveer & Mrs. Saroj Rastogi
Solan

Mr. Sandeep & Mrs. Mona Ahuja
Muradabad

Mr. Ram Karan & Mrs. Rajrani Gupta
Rohini, Delhi

Mr. Rajkumar Beti & Mrs. Rajrani Beti
Delhi

Mr. Rajendra Sud & Mrs. Madhu Sud
Chandigarh

Mr. Radheyshyam & Mrs. Saroj Bhattar
Jodhpur

Mr. Sohan Lal
Chennai

Shiv Kumar
Badarpur

Mr. Satveer Singh
Chennai

Mr. Salehraj Mehta
Chennai

Mr. Sabir Bhai S. Patel
Ahmedabad

Mr. Prabhu Bhai Patel
Ahmedabad

Mrs. O.P. Gupta
Bhopal

Mr. Omprakash Jain
Shahibabad

Mrs. Nirja Mahajan
Chandigarh

Mr. Narayan Prajapat
Jodhpur

Mr. Malati Devi Gupta
Bhopal

Mr. Mahesh Goyal

Lt. Mr. S.K. Kundra
Panchakula

Lt. Mr. Ratanlal Rathi

Mrs. Leela Devi Bakliwal
Assam

Mrs. Lalita Ji
Chennai

Mr. Jitendra Jain
Jaipur

Mr. Jay Singh A. Chauhan
Ahmedabad

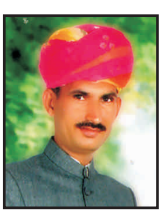

Mr. Devaram Kardiya
Jodhpur

Mr. Chandu Bhai Prajapati
Ahmedabad

Bhagwan Singh
Udaipur

Mrs. Asha Ben
Ahmedabad

Miss. Aarshiya Joshi
Pune

Mr. Tuhirama Agrawal
Raigarh (Chattisgarh)

Mr. Devish Gupta
Punjab

Mr. B.S. Chaudhary
Kota

Mr. Loonkaran Kedia

Lt. Mrs. Savitri Devi Kedia

Mr. Vivek & Lt. Mrs. Lata Chauhan
Jodhpur

Mr. Nand Kishore & Mrs. Shanta Gatatani
Jodhpur

Mr. & Mrs. Madan Gopal V. Soni
Mumbai

Lt. Mr. Hardasmalji Khemchand,
& Lt. Mrs. Subhibai Hardasmalji Ambartani

Mr. Kulchandra Soni & Lt. Mrs. Sayar Bai
Bangalore

Mr. Hari Singh & Mrs. Pramila Gehlot
Jodhpur

Mr. & Mrs. H.C. Kanrajia
Lucknow

Mr. Deevan Chand & Mrs. Prakash Devi Dhameeja,
Meerut

Mr. Bhawani Singh Saranwala & Mrs. Leena Devi
Jodhpur

Mr. Bhim Sain & Mrs. Sulochna Mittal
Delhi

Mr. Sukhlal D. & Mrs. Raju Devi
Chennai

Mr. Arun Kumar & Mrs. Kalpana Agnihotri
Ahmedabad

Mr. Pradeep Jain
Delhi

Mrs. Ruchi Jain
Delhi

Miss. Mangari Jain
Delhi

Mr. Priyam Jain
Delhi

Lt. Mr. Jagdish Arora
Amritsar

Mr. Ashok Kumar Aalmal
Ahmedabad

Mrs. Saroj Kothari
Chennai

Mr. Nohariya Mal Bansal
Sirsa HR

Mr. Bharat Kumar
Chennai

Mr. Dharmdas L. Ram
Barmer

Mr. Ekanshu
Chennai

Mr. Vinayak
Hubali, Karnatak

Mr. Pramod Kumar Jain
Sikar (Raj.)

Mr. Ashok Bansal
Sirsa HR

Mr. Shrichand Gupta
Kota

Mr. Lal Chandra Saremal
Bagarecha, Sivana

Mrs. Kanaklata Jain
Ahmedabad

Mr. Amra Ram
Chennai

Mr. R.D. Kalia
Kota

Mr. Ramesh Kumar Jugraj
Barecha, Ahmedabad

Mr. Radhe Krushna
Chiman Patel, Anand (Guj.)

INCOME TAX EXEMPTION

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G (50%) and 35 AC (100%) of IT Act. 1961

ICICI Bank A/c No. 004501021965
SBI A/c No. 31840870750

HDFC A/c No. 12731450000426
Axis Bank A/c No. 912010025408491

RAKHI CELEBRATED

The festival Rakhi – symbolizing assurance of Care and protection of sisters by the brothers was celebrated in Tara Sansthan on 02 August, 2012. Members of Tara Sansthan, accompanied by their children visited Anand Vriddhashram and tied 'Rakhi' on the hands of the inmates of Old-age Home. They also distributed sweets, chocolates to the inmates. The inmates gave blessings to the children for their bright future.

UNFORGETTABLE EXPERIENCE

The 53rd marriage – anniversary of the Lahiri couple – Shri Digendra Nath Lahiri (77 yrs) – Smt. Anjali Lahiri (68), who are staying in Tara Sansthan's Old-age Home (Anand Vriddashram) was celebrated with joy and gaiety on August 9, 2012. Founder and President of Tara Sansthan Smt. Kalpana Goyal and C.E.O. Shri Deepesh Mittal felicitated the aged couple with garlands and offered them good wishes for a happy and fulfilling life. Members of 'Tara' family and inmates of the old-age home joined them in the celebrations.

In response to the felicitation, Lahiri couple thanked Tara Sansthan for giving them such an unforgettable life-time experience and expressed total satisfaction over the free-facilities provided to the aged inmates in Anand Vriddhashram.

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक समाचार पत्र, सितम्बर, 2012
RNI. No. - RAJBIL/2011/42978, Postal Reg. No. - RJ/UD/29-102/2012-2014, Dates of Posting - 11th to 18th each month at Udaipur H.O.
'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर, राजस्थान से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री विजय अरोड़ा द्वारा न्यूट्रेक ऑफसेट मुद्रणालय, 13, न्यट्रेक नगर, सेक्टर - 3, हिरण मगरी, उदयपुर में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

तारा संस्थान के निःशुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

01 ऑपरेशन - 3000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 17 ऑपरेशन - 51000 रु.
मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान में) - 71000 रु.
मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान से बाहर) - 100000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., आजीवन सदस्य 11000 रु. (संचितनिधि में)

आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G (50%) व 35AC (100%) के अन्तर्गत आयकर में छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, **अथवा :** अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank A/c No. 004501021965 IFS Code : icic0000045
SBI A/c No. 31840870750 IFS Code : sbin0011406
Axis Bank A/c No. 912010025408491 IFS Code : utib0000097
HDFC A/c No. 12731450000426 IFS Code : hdfc0001273

Pan Card No. Tara - AABTT8858J

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस' चैनल पर प्रसारण अपराह्ण 3.40 से 4.00 बजे, रात्रि 9.20 से 9.40 बजे	'श्रद्धा' चैनल पर प्रसारण रात्रि 10.20 से 10.40 बजे	'आस्था भजन' चैनल पर प्रसारण प्रातः 8.40 से 9.00 बजे

बुक पोस्ट

Tara
ज्योतिर्मय जीवन
तारा संस्थान
डीडवाणिया (रतनलाल) निःशक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी,
उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : tarasociety@gmail.com, tara_sansthan@rediffmail.com
Website : www.tarasociety.org